http://www.howtoexam.com

Roll No .....

817
B.A. (Previous)
Examination 2010
EHD-02
(Elective Course/ ऐच्छिक पाठ्यक्रम)
Hindi Kavya

हिन्दी काव्य

Time: 3 Hours | **Maximum Marks : 70**
समयः 3 घण्टे | पूर्णांकः 70

नोटः– प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से संबंधित अंकों का विवरण उस खण्ड में दिए गये प्रश्नों के सम्मुख दिया गया है।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 2x5=10

(क) कहा मानसर चहा जो पाई। पारस रूप इहॉ लगि आई।।
भा निरभर तेन्ह पायन परसें। पावा रूप रूप के दरसें।।
मलै समीर बास तन आई। भा सीतल गै तपन बुझाई।
न जौं कौनु पौन लै आवा। पुन्नि दसा भै पाप गॅवावा।।
ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहॅसाना।।
बिगसे कुमुद देखि ससि रेखा। भैतेहिं रूप जहॉ जो देखा।।
पाए रूप रूप जस चहे। ससि मुख सब दरपन होइ रहे।।
नैन जो देखे कॅवल भए निरभर नीर सरीर।
हॅसत जो देखे हॅस भए दसन जोति नग हीर।।

(ख) तान की दुति स्याम सरोरूह लोचन कंज की मंलुलताई हरैं।
अति सुंदर सोहत धूरि भरे, छबि भूरि अनंग की दूरि करैं।
दमकैं दतियॉ दुति–दामिनि ज्यों, किलकैं कित बाल–विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन मंदिर में बिहरै।

(ग) हरी बिछली प्यास।
छोलती कलगी बाजरे की।
अगर मैं तुमको ललाती सॉझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार–न्हायी कुंई,
तटकी कली चम्पे की, बगैरह तो
नहीं कारण कि मेरा हदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।
बल्कि केवल यहीः ये उपमान मैले हो गए हैं।
देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच।
कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता हैं।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3x10=30

(क) तुलसीदास की समन्वयवादी भावना पर प्रकाश डालिए।
(ख) कबीर के रहस्यवाद का रूप स्पष्ट करें।
(ग) प्रगतिवादी काव्य धारा की प्रमुख प्रवृतियों का विवेचन करें।
(घ) 'कुरूक्षेत्र' की केन्द्रीय समस्या पर प्रकाश डालिए।

Solved question paper, guess paper, 10 year, 5 year question bank, paper patterns

http://www.howtoexam.com

(ड़) भक्तिकाल की कृष्ण भक्ति धारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

खण्ड–ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3x5=15

(क) सुमित्रानंदन पंत प्रकृति सौन्दर्य के कवि हैं। उदाहरण देते हुए कथन की समीक्षा करें।
(ख) छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
(ग) द्विवेदी युग के कवियों ने कविता के लिए किन विषयों को चुना ?
(घ) पृथ्वीराज रासो के काव्य सौन्दर्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(ड़) 'नई कविता' से आप क्या समझते हैं ? इसकी दो महत्वपूर्ण प्रवृतियों का उल्लेख करें।

खण्ड–ग

4. सत्य कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (x) का निशान लगाइए। 5x1=5

(क) बिहारी रीतिकाल की रीतिबद्व धारा के कवि हैं।
(ख) जायसी भक्तिकाल की निर्गुण भक्ति शाखा की प्रेममार्गी धारा के कवि हैं।
(ग) सूरदास का वात्सल्य वर्णन अद्वितीय है।
(घ) घनानंद रीतियुक्त धारा के कवि हैं।
(ड़) नागार्जुन द्विवेदी युग के कवि है।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए शब्दों के द्वारा कीजिए। 5x1=5

(अवधी, वियोग, सधुक्कड़ी, ब्रज, श्रंगार)

(क) बिहारी के काव्य में मुख्य रूप से ..... का वर्णन हुआ है।
(ख) पद्मावत ..... भाषा में लिखा गया महाकाव्य है।
(ग) साकेत में उर्मिला के ..... का वर्णन हुआ है।
(घ) कबीरदास की भाषा को ..... कहा जाता है।
(ड़) सूरदास की रचनाएं ..... भाषा में है।

6. स्तम्भ 'क' का मिलान स्तम्भ 'ख' के सही विकल्प से कीजिए। 5x1=5

	स्तम्भ 'क'		स्तम्भ 'ख'
(क)	विनयपत्रिका	(क)	चंद बरदाई
(ख)	कामायनी	(ख)	निराला
(ग)	राम की शक्तिपूजा	(ग)	तुलसीदास
(घ)	अंधा युग	(घ)	जयशंकर प्रसाद
(ड़)	पृथ्वीराजरासो	(ड़)	धर्मवीर भारती

HowToExam.com

Solved question paper, guess paper, 10 year, 5 year question bank, paper patterns